CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper - 07

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
- दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
- तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
- पॉच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

Section A

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सम्बंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (10)**

   दहेज प्रथा के कारण ही आज एक साधारण भारतीय परिवार में कन्या का जन्म होते ही परिवार के सभी सदस्यों के चेहरे पीले पड़ जाते हैं और उनका हृदय बुझा-सा हो जाता है। इस प्रथा के कारण कन्याओं को परिवार का बोझ तथा पराया धन आदि समझा जाता है। अनमेल विवाह, आत्महत्या, भ्रष्टाचार, तलाक आदि कुप्रथाएँ इसी दूषित प्रथा के कारण फल-फूल रही हैं। मानसिक व शारीरिक यंत्रणा, धनलोलुपता जैसी । सामाजिक बुराइयाँ, दहेज प्रथा की ही देन हैं। अपनी पुत्री के विवाह में पिता अपनी धन-संपत्ति तक बेच देता है तथा ऋण लेकर अपनी सामर्थ्य से अधिक व्यय करता है, पर दहेज के लालची कभी-कभी इतने से भी संतुष्ट नहीं होते तथा नववधुओं के साथ दुर्व्यवहार करते देखे गए हैं। कभी-कभी तो नववधू को कम दहेज लाने पर या तो स्वयं आत्महत्या करने पर विवश कर देते हैं या उन्हें मिट्टी का तेल छिड़ककर जला देते हैं। दहेज प्रथा से मुक्ति पाने के लिए सरकार ने वर्ष 1961 में दहेज विरोधी कानून पास किया, परंतु इसकी धाराएँ लचर होने के कारण इस पर दृढ़ता से अमल नहीं हो पाया। अब सरकार ने इसे और भी कड़ाई से लागू किया है तथा इसमें उचित संशोधन करके इसे कडा बनाया है। पत्र-पत्रिकाओं, समाचार-पत्रों तथा संचार माध्यमों द्वारा इस कुप्रथा के विरुद्ध जन-जागृति की जा रही है।

   i. भारतीय परिवार में कन्या-जन्म के पश्चात् परिवार के सदस्यों की कैसी दशा हो जाती है? कारण सहित स्पष्ट कीजिए। (2)
   ii. दहेज प्रथा के कारण हमारे देश में किन-किन कुरीतियों का जन्म हुआ है? (2)

iii. दहेज के नाम पर नववधुओं को किन समस्याओं को झेलना पड़ता है? (2)

iv. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए (2)

1. चेहरा पीला पड़ जाना।
2. हृदय बुझ-सा जाना।

v. किन-किन माध्यमो से दहेज़ प्रथा के विरुद्ध जन-जागृति की जा रही है? (1)

vi. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। (1)

Section B

2. शब्द किसे कहते हैं, उदाहरण सहित स्पष्ट करिए ? **(1)**

3. नीचे लिखें वाक्यों में से किन्हीं तीन वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण कीजिए- (3)

i. आकाश में बादल होते ही घनघोर वर्षा होने लगी। (संयुक्त वाक्य में)

ii. वह बगल के कमरे में कुछ बरतन ले आया। तौलिए से बरतन साफ़ किए। (संयुक्त वाक्य में)

iii. लिखकर अभ्यास करने से कुछ भूल नहीं सकते। (मिश्र वाक्य में)

iv. सीमा पर लड़ने वाले सैनिक ऐसे हैं कि जान हथेली पर लिए रहते हैं। (सरल वाक्य में)

4. I. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों का समास-विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए- (2)

i. यथानियम

ii. शराहत

iii. प्रियसखा

II. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास-विग्रह को समस्त पद में परिवर्तित करके समास का नाम लिखिए- (2)

i. नेक है नाम जिसका

ii. कुमारी श्रमणा

iii. चार गुनी

5. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए- **(4)**

i. वह ने खाना खा लिया।

ii. एक फूलों की माला लाओ।

iii. कुछ जगहों में अशुद्धियाँ पड़ी हैं।

iv. मेले में बच्चा खो गई।

v. अपने हाथ से स्वयं काम करो।

6. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित मुहावरों द्वारा कीजिए- **(4)**

i. व्यापार में _____ का गुर जाननेवाले ही कमाकर खा सकते हैं।

ii. भ्रष्टाचार के विरुद्ध _____ प्रत्येक नागरिक का पुनीत कर्तव्य है।

iii. राणा प्रताप का घोड़ा चेतक ऐड़ लगाते ही _____ लगा।

iv. मैं पहले ही दुखी हूँ , तुम मेरा मज़ाक बनाकर मेरे _____ बंद करो |

Section C

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये: **(6)**

   i. 'बड़े भाई साहब' पाठ में लेखक ने समूची शिक्षा के किन तौर-तरीकों पर व्यंग्य किया है? क्या आप उनके विचार से सहमत हैं?

   ii. 'प्रेम रूढ़ियों का बंधन नहीं मानता'-तताँरा-वामीरो की कथा के आधार पर सिद्ध कीजिए।

   iii. गिन्नी का सोना पाठ से हमें क्या संदेश मिलता है?

   iv. 26 जनवरी, 1931 के दिन कलकत्ता में मार्गों की क्या स्थिति हो गई थी? 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर बताइए।

8. "बुजुर्गों द्वारा दी गई सीख बच्चों के भविष्य निर्माण में सहायक होती है।" 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **(5)**

OR

कारतूस पाठ के आधार पर वज़ीर अली की बहादुरी व हिम्मत का परिचय अपने शब्दों में दीजिए।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये: **(6)**

   i. कबीर ने निंदक को पास रखने के लिए क्यों कहा?

   ii. भाव स्पष्ट कीजिए-
   जपमाला, छापै, तिलक सरै न एक कामु।
   मन-काँचे नाचै बृथा, साँचै राँचै रामु।

   iii. तोप और चिड़ियाँ किसका प्रतीक है? तोप कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

   iv. दुख के संबंध में हमारी प्रार्थना और कवि की प्रार्थना में क्या अंतर है? आत्मत्राण कविता के आधार पर बताइए।

10. 'सतर्क पंथ' और 'समर्थ भाव' से क्या अभिप्राय है? स्पष्ट कीजिए। **(5)**

OR

युद्ध क्षेत्र में वीर सैनिक अपने जीवन को किस तरह सार्थक मानता है? स्पष्ट कीजिए। 'कर चले हम फ़िदा' कविता के आधार पर बताइए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **(6)**

    i. "सबके मन में यह बात है कि हरिहर काका कोई अमृत पीकर तो आए हैं नहीं। एक न एक दिन उन्हे मरना ही है।" इससे गाँव वालो की किस मनोवृत्ति का पता चलता है?

    ii. लेखक अपने छात्र जीवन में स्कूल से छुट्टियों में मिले काम को पूरा करने के लिए क्या-क्या योजनाएँ बनाया करता था तथा उसे पूरा न कर पाने की स्थिति में किसकी भाँति 'बहादुर' बनने की कल्पना किया करता था? सपनों के-से दिन पाठ के आधार पर लिखिए।

Section D

12. **स्वास्थ्य की रक्षा** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **(6)**

    - आवश्यकता
    - पोषक भोजन
    - लाभकारी सुझाव

OR

कंप्यूटर हमारा मित्र विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- क्या है
- विद्यार्थियों के लिए उपयोग
- सुझाव

OR

पुस्तकें पढ़ने की आदत विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- पढ़ने की घटती प्रवृति
- कारण और हानि
- पढ़ने की आदत से लाभ

13. अपने प्रधानाचार्य को आवेदन पत्र जिसमें अन्य विद्यालय से फ़ुटबॉल मैच खेलने की अनुमति माँगी गई हो। **(5)**

OR

अपने मित्र को पत्र लिखकर बताइए कि महानगरीय जीवन दुखद भी है तथा सुखद भी।

14. विद्यालय की समाज सेवा परिषद् के सचिव आशील सिंहल हैं। आप प्रौढों की साक्षरता के लिए एक सप्ताह का शिविर लगाना चाहते हैं। इसके लिए विद्यार्थी रोज शाम को एक गाँव में जाकर चौपाल में प्रौढों को अक्षर ज्ञान कराया करेंगे। इच्छुक विद्यार्थियों का पंजीकरण 30 मार्च तक होना है। उनके आने जाने की व्यवस्था परिषद् की ओर से की जाएगी। इस हेतु एक सूचना तैयार कीजिए। **(5)**

OR

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण अपनी सलाना बैठक में ग्रेटर नोएडा विस्तार योजना में कुछ संशोधन किया है। इसकी सूचना नागरिकों को देने के लिए 20 से 30 शब्दों में एक सूचना लिखिए।

15. परीक्षा में आपकी शानदार उपलब्धियों पर आपके और पिताजी के बीच हुए संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। **(5)**

OR

यात्री और बस चालक के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

16. फेस क्रीम विक्रेता के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए। **(5)**

OR

'विश्व जल दिवस' पर 25-50 शब्दों में विज्ञापन लेखन कीजिए।

CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper - 07

Answer

Section A

1. i. भारतीय परिवार में कन्या-जन्म के पश्चात् परिवार के सदस्यों में निराशा-सी उत्पन्न हो जाती है उनके चहरे पीले पड़ जाते हैं और उनका ह्रदय बुझा-सा हो जाता है | तथा वे स्वयं को हतोत्साहित-सा महसूस करने लगते हैं। इसका कारण हमारे समाज में उपस्थित एक कुप्रथा है, जिसका नाम है-दहेज प्रथा। दहेज प्रथा के कारण कन्याओं को परिवार का बोझ तथा पराया धन आदि समझा जाता है।

   ii. हमारे देश में बहुत से ऐसे परिवार हैं, जो गरीबी की श्रेणी में आते हैं और उनके पास कन्या-विवाह करने के लिए दहेज के नाम पर दिए जाने वाले धन का अभाव होता है। इसी कारण अनमेल विवाह; आत्महत्या, भ्रष्टाचार, तलाक आदि के साथ-साथ मानसिक व शारीरिक यंत्रणाएँ, धनलोलुपता जैसी कुरीतियों का जन्म हुआ है।आज समाज में फैली सामाजिक बुराईयाँ दहेज़ प्रथा की ही देन है |

   iii. दहेज के नाम पर नववधुओं को मानसिक एवं शारीरिक यंत्रणाएँ झेलनी पड़ती हैं।अपनी पुत्री के विवाह में पिता अपनी धन-संपत्ति तक बेच कर तथा ऋण लेकर अपनी सामर्थ से अधिक व्यय करता है | पर दहेज के लालची लोग नववधुओं के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। जब नववधू अपने ससुराल में कम दहेज लाती हैं, तब वर पक्ष एवं उसका परिवार उसे आत्महत्या करने पर विवश कर देता है या उस पर मिट्टी का तेल से जला कर मार देता है।

   iv. 1. **चेहरा पीला पड़ जाना**—डर जाना/भयभीत हो जाना रात के अँधेरे में उस औरत के लंबे बाल देखकर रमेश का चेहरा पीला पड़ गया।
   2. **ह्रदय बुझ-सा जाना**—उदास हो जाना क्रिकेट मैच में भारत की पराजय से मेरा तो ह्रदय बुझ-सा गया।

   v. दहेज़ प्रथा से मुक्ति पाने के लिए सर्कार ने १९६१ में दहेज़ विरोधी कानून पास किया | परन्तु इसकी धाराएँ लचर होने के कारण इस पर दृढ़ता से अमल नहीं हो पाया |अब सरकार ने इसे और भी कड़ाई से लागु करने के लिए पत्र - पत्रिकाओं,समाचार-पत्रों तथा संचार-माध्यमों द्वारा दहेज़ - प्रथा के विरुद्ध जन-जागृति कर रही है।

   vi. दहेज प्रथा

Section B

2. शब्द भाषा की स्वतंत्र व अर्थवान इकाई है जो स्वतंत्र रूप में प्रयुक्त होती है, जब यह वाक्य के बाहर होता है तो यह शब्द कहलाता है । जैसे- लड़का, कमल ।

3. i. आकाश में बादल हैं इसीलिए घनघोर वर्षा होने लगी।

   ii. वह बगल के कमरे से कुछ बरतन ले आया और उन्हें तौलिए से साफ़ किया।

   iii. जो लिख कर अभ्यास करते हैं,वे कुछ भूल नहीं सकते।

   iv. सीमा पर लड़ने वाले सैनिक जान हथेली पर लिए रहते हैं।

4. I. i. यथानियम = नियम के अनुसार (अव्ययीभाव समास)
   ii. शराहत = शर से आहत/ शर के द्वारा आहत (करण/ तृतीया तत्पुरुष समास)
   iii. प्रियसखा = प्रिय है जो सखा (कर्मधारय समास)
   II. i. नेक है नाम जिसका = नेकनाम (बहुब्रीहि समास)
   ii. कुमारी श्रमणा = कुमारीश्रमणा (कर्मधारय समास)
   iii. चार गुनी = चौगुनी (चार गुणे का समाहार) (द्विगु समास), चार गुना है जो -कर्मधारय समास
5. i. उसने खाना खा लिया।
   ii. फूलों की एक माला लाओ।
   iii. कुछ वाक्यों में अशुद्धियाँ हैं।
   iv. बच्चा मेले में खो गया।
   v. अपना काम स्वयं करो।
6. i. दो से चार बनाने
   ii. आवाज़ उठाना
   iii. हवा से बातें करने
   iv. घाव पर नमक छिड़कना

Section C

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

   i. प्रस्तुत पाठ में लेखक ने समूची शिक्षा के जिन तौर-तरीकों पर व्यंग्य किया है, उनमें सर्वाधिक प्रमुख है-रटकर पढ़ाई करना। इसका साक्षात् प्रमाण है बड़े भाई, जो दिन-रात पुस्तक के एक-एक शब्द को रटते रहते हैं और उनका अर्थ जानने की कोशिश नहीं करते। इसके अतिरिक्त खेलकूद को व्यर्थ समझना भी सही नहीं है। मैं इस विचार से सहमत नहीं हैं। विषय को समझने के स्थान पर केवल रटने पर ही ज़ोर देना व्यर्थ है। किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान भी आवश्यक है।

   ii. यह कथा इस बात को सिद्ध करती है कि प्रेम को रूढ़ियों में बाँधकर नहीं रखा जा सकता। प्रेम किसी भी बंधन को स्वीकार नहीं करता। तताँरा और वामीरो में प्रेम हो गया था किंतु उनके प्रेम में वह रूढी बाधा बन रही थी जिसके अनुसार गाँव के बाहर के अन्य किसी युवक से प्रेम अथवा विवाह नहीं कर सकते थें। उन्होंने अपना बलिदान देकर इस रूढी को चुनौती दे दी थी। उनका बलिदान लोगों को सोचने पर विवश कर देता है और अंत में यह रूढी टूट जाती है।

   iii. 'गिन्नी का सोना' पाठ में आदर्श और व्यवहारिक के बारे में बताया गया है यदि देखा जाए तो इस बात को झुठलाया नहीं जा सकता कि जीवन में आदर्श और व्यावहारिकता दोनों ही आवश्यक होते हैं, लेकिन आदर्श विशेष महत्त्व रखते हैं। उन पर समाज का आधार टिका रहता है। यदि हम सोना रूपी आदर्श में ताँबा रूपी

व्यावहारिकता मिलाएँ अर्थात् सोने के महत्त्व को कम न करें तो आदर्शों का सही रूप प्रस्तुत किया जा सकता है। अपने व्यवहार को समझने और समाज में किस प्रकार से व्यवहार करना है उसकी सीख देता है हमें समाज में व्यवहारवादी बनकर ना रहकर एक आदर्शवादी व्यवहारवादी बनकर रहना चाहिए।

iv. 26 जनवरी, 1931 के दिन कलकत्ता के सभी मार्गों को सजाया गया था सुबह से ही लोग रास्तों पर निकलना शुरू हो गए थे। रास्तों पर जगह-जगह पुलिस, सार्जेंट, गोरखे तैनात किए गए थे पुलिस घोंडेपर तथा लारियों में बैठकर गश्त लगा रही थी। इतना सख्त पहरा होने के बाद भी स्वतंत्रता सेनानियों ने जगह-जगह झंडे फहराए। पुलिस ने सभी क्रांतिकारियों के साथ मारपीट की और उन्हें गिरफ्तार किया गया, जिसमें 105 स्त्रियाँ भी थीं। प्रत्येक मार्ग में क्रांतिकारियों के जुलूस निकल रहे थे और पुलिस उन्हें रोकने के लिए हर संभव प्रयास कर रही थी |

8. प्राचीन कहावत है- "नींव जितनी मज़बूत होगी, इमारत भी उतनी ही मज़बूत होगी" अर्थात् इमारत की मजबूती नींव की ईंट पर टिकी होती है। यही कहावत हमारे इस कथन को स्पष्ट करती है कि जिस परिवार में बुजुर्गों की उपस्थिति होती है, उनको प्रमुखता दी जाती है, उनका मान-सम्मान किया जाता है, उस घर के लोगों का भविष्य सदैव उज्ज्वल होता है। पाठ के अनुसार बुजुर्ग व्यक्ति के परिवार में होने से हमें नैतिक, बौद्धिक और शारीरिक सहायता मिलती है | बुजुर्ग व्यक्ति अपनी उपस्थिति केवल शारीरिक रूप से ही नहीं दर्शाते वरन् अपने वर्षों के अनुभवों को सीख के रूप में प्रसादस्वरूप सभी को बाँटते हैं। वे आधुनिक समय में व्यस्त माता-पिता की स्नेह की कमी को अपने प्यार-दुलार व आशीर्वाद से पूरा करते हैं। आज संवेदनहीन समाज में यदि नैतिक मूल्यों को जीवित रखना है, तो बच्चों पर बुजुर्गों की छत्रछाया अनिवार्य है। बुजुर्ग ही बच्चों को अच्छे संस्कार दे सकते हैं । आजकल माता-पिता के पास तो बच्चों के लिए समय ही नहीं है। वे तो बेतहाशा पैसे के पीछे दौड़ रहे हैं। ऐसे में घर के बड़े- बुजुर्ग ही बच्चों में नैतिकता का विकास कर सकते हैं।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि एक परिवार सर्वोपरि विकास के लिए बुजुर्ग का साथ होना नितांत आवश्यक है |

OR

वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था, इसका अनुमान उसके कारनामों से लग जाता है। अंग्रेजों ने षड़यंत्र द्वारा उसे तख़्त से हटाकर उसके पिता के भाई सआदत अली को नवाब घोषित कर दिया था । ऐसी विषम परिस्थितियों में भी उसने हार नहीं मानी तथा वह सदैव अंग्रेजों को खदेड़ने के लिए प्रयत्नशील रहा। उसके पास चंद सिपाही ही थे फिर भी बरसों कर्नल की फौज को जंगलों में भटकाता रहा। उसने अपनी बहादुरी का लोहा दुश्मनों से भी मनवाया है। ऐसी ही एक घटना में एक बार, वज़ीर अली को गिरफ्तार करने के लिए कर्नल कालिंज और एक लेफ्टिनेंट ने फौज के साथ जंगल में डेरा डाल रखा था। बहुत प्रयास करने के बाद भी वे उसे नहीं पकड़ पा रहे थे। तब भी वह एक घुड़सवार रूप में डेरे में अकेला आया और कर्नल से एकांत में मिलकर वज़ीर अली को पकड़ने के लिए ही दस कारतूस ले लिए। चलते-चलते कर्नल ने सवार से उसका नाम पूछा, तो उसने कहा, 'वज़ीर अली'। यह सुनकर कर्नल हक्का-बक्का रह गया और कुछ न कर सका।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

i. कबीर निंदक को पास रखने के लिए कहते हैं क्योंकि निंदक अपनी आदत के अनुसार हमारी खामियों को निकालता है।जिस से हम आत्मनिरीक्षण और आत्मसुधार कर सकते हैं। इससे बिना साबुन और पानी के ही हमारा स्वभाव स्वच्छ और निर्मल बन जाता है।

ii. कवि ने इस दोहे में धार्मिक कर्मकांड तथा बाहरी दिखावे को व्यर्थ माना है। उसके अनुसार अगर आपका मन सच्चा नहीं तो माला जपने, छापा-तिलक लगाने भर से कोई भक्त सिद्ध नहीं हो सकता। हृदय में पाप है तो तीर्थ-यात्रा करना व्यर्थ है क्योंकि ईश्वर का निवास शुद्ध आत्मा में ही होता है। मन में ईश्वर के प्रति सच्ची भक्ति-भावना होने से ही ईश्वर की प्राप्ति हो सकती है।

iii. तोप दमनकारी/अत्याचारी शासन व्यवस्था का प्रतीक है तथा चिड़ियाँ आम जनता का प्रतीक हैं जो प्रदर्शन मात्र बनी तोप का उपहास उड़ाती हुई हमें बताती है कि अत्याचारी शासक और सत्ता का अंत एक-न-एक दिन अवश्य होता है। अर्थात् स्वार्थी तथा भाई-भतीजावाद की नीति पर चलने वालों को जनता एक-न-एक दिन अवश्य ही उखाड़ फेंकती है।

iv. 'दुख' के संबंध में हमारी प्रार्थना यह होती है कि प्रभु हमारे दुख हर लो। इस दुख से मुक्ति दिलाओ और दुखों से बचाकर रखना। कवि यह प्रार्थना करता है कि मैं दुखों से बचाने, उन्हें दूर करने की प्रार्थना नहीं कर रहा हूँ। मैं तो दुख सहने की शक्ति और साहस आपसे माँग रहा हूँ।

10. 'सतर्क पंथ' शब्द का अर्थ 'सावधान यात्री' अर्थात् हमारा जीवन एक यात्रा है और मनुष्य उस जीवन-पथ पर चलने वाला यात्री है। यदि मनुष्य एक सावधान यात्री की तरह आगे बढ़ता है, तो उसे सदैव लक्ष्य व कर्तव्यों का बोध रहता है। रास्ते में विघ्न और बाधाएँ उसे पथभ्रष्ट नहीं कर पातीं, तब व्यक्ति 'सतर्क पंथ' शब्द को चरितार्थ करता है। 'समर्थ भाव' से अभिप्राय है-सब व्यक्तियों की यथासंभव सहायता और परोपकार। इसलिए अपनी लक्ष्य प्राप्ति के साथ-साथ मनुष्य की जीवन-शैली ऐसी होनी चाहिए, जिससे उसका भी भला हो और दूसरों का भी कल्याण अवश्य हो, तभी हम समर्थ भाव से अपनी जीवन-यात्रा को पूर्ण कर सकते हैं।

OR

अपना जीवन सभी प्राणियों को प्रिय होता है। कोई भी इसे यूँ ही खोना नहीं चाहता। असाध्य रोगी तक लंबे जीवन की कामना करते हैं। जीवन की रक्षा, सुरक्षा के लिए प्रकृति ने न केवल तमाम साधन उपलब्ध कराए हैं, वरन् सभी जीव-जंतुओं में उसे बनाए व बचाए रखने की भावना भी पिरोई है। इसलिए शांतिप्रिय जीव भी अपने प्राणों पर संकट आया जान, उसकी रक्षा हेतु तत्पर हो जाते हैं। दूसरी तरफ़, वीर सैनिक का जीवन इसके ठीक विपरीत होता है। वह अपने जीवन के लिए नहीं, बल्कि देशवासियों की आज़ादी और देश पर आए संकट से मुकाबला करने के लिए अपना सीना तानकर खड़ा हो जाता है। युद्ध क्षेत्र में वीर सैनिक अपने देश की मान-मर्यादा एवं सुरक्षा के लिए अपने प्राणों को न्योछावर करके ही अपने जीवन को सार्थक मानता है। वह किसी भी कीमत पर अपने देश के सम्मान को ठेस नहीं पहुँचने देता।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

i. जब हरिहर काका को महंत जी और उनके भाइयों की असलियत खुल जाने के बाद पुलिस का संरक्षण मिल गया, तो भी गाँव वालों के बीच तरह तरह की अफवाहे फैल रही थीं। गाँव वाले इस बात से आशंकित थे कि हरिहर काका के कारण आने वाले समय में न जाने और कौन-सी मुसीबत इस गाँव में आएगी? गाँव वालों की इस सोच से उनकी इस मनोवृत्ति का पता चलता है कि उन्हें हरिहर काका से कोई लगाव नहीं था, बल्कि वे स्वयं को सुरक्षित रखने के विषय में चिंतित थे। इससे यह भी पता चलता है कि आज के युग में कोई किसी के लिए नहीं सोचता, हर व्यक्ति अपने स्वार्थ के लिए परेशान रहता है। आज समाज में इस प्रकार की मनोवृत्ति ने घर कर लिया है, जिससे अपनापन, लगाव, एक-दूसरे के दु:ख-सुख की चिंता आदि समाप्त होती जा रही है।

ii. लेखक के स्कूल में छुट्टी होते ही वे अपनी छुट्टियों जी की योजना बनाने लगते थे। वे छुट्टियों में स्कूल में मिला हुआ काम पूरा करना चाहते थे वरना उन्हें स्कूल में मार खाने का डर रहता था। काम के साथ छुट्टियों में खेलना भी जरूरी था और वे खेल के सामने अपनी पढ़ाई भी भूल जाते थे। जैसे - जैसे छुट्टियाँ बीतती थी वैसे - वैसे उनकी नई योजनाएँ बनती थी पढ़ाई करने के लिए।
परन्तु जब ऐसी योजनाएँ बनाते हुए छुट्टी समाप्त हो जाती तो उन्हें ' ओमा ' की याद आती थी। वे उसकी तरह बहादुर बनने की कल्पना करते थे और सवाल हल करने के बदले शिक्षक की पिटाई को सस्ता सौदा समझते थे

Section D

12. **स्वास्थ्य की रक्षा**

वर्तमान समय में प्रत्येक मनुष्य की जीवन-शैली इतनी भागदौड़ से भर गई है कि वे अपने स्वास्थ्य की रक्षा कर पाने में असमर्थ हो चुके हैं। जहाँ पहले के समय में व्यक्ति की औसत आयु 75 वर्ष थी, वह आज घटकर 60 वर्ष हो गई है। स्वास्थ्य की रक्षा बहुत ही आवश्यक है। खराब स्वास्थ्य के साथ व्यक्ति कोई भी कार्य उचित तौर-तरीके से नहीं कर पाता है। प्रत्येक व्यक्ति को आधारभूत वस्तुओं का संचय करने के लिए स्वस्थ रहने की आवश्यकता है। कहा जाता है स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है, इसीलिए स्वास्थ्य की रक्षा हमारे लिए आवश्यक है। स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पोषक भोजन लेना अति आवश्यक है।
हरी सब्जियाँ, दूध, दही, फल आदि का सेवन हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हुए हमारे स्वास्थ्य की रक्षा करता है। आजकल जंकफूड और फास्ट फूड का प्रचलन अपने चरम पर है। इसकी चपेट में लाखों लोग आ चुके हैं। और इसी कारण वे अपना स्वास्थ्य खराब कर चुके हैं। आजकल के बच्चों को मोटापा, सुस्ती व भिन्न-भिन्न प्रकार की बीमारियों ने जकड़ लिया है। हमें जंक फूड एवं फास्ट-फूड से दूरी बनाते हुए पौष्टिक आहार लेने चाहिए, जिससे हम अपने स्वास्थ्य की रक्षा करते हुए, अपने और दूसरों के जीवन को खुशियाँ प्रदान कर सकें।

OR

कंप्यूटर हमारा मित्र

ऑक्सफॉर्ड डिक्शनरी के अनुसार, "कंप्यूटर एक स्वचालित इलेक्ट्रॉनिक मशीन है, जो अनेक प्रकार की तर्कपूर्ण गणनाओं के लिए प्रयोग किया जाता है।" कंप्यूटर बिजली से चलने वाली मशीन है, जिसकी प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होती है- इनपुट, प्रोसेस, आउटपुट अर्थात् जब हम कंप्यूटर में कोई डाटा इनपुट करते हैं, तो कंप्यूटर उस डाटा को प्रोसेस करके प्रयोगकर्ता को आउटपुट प्रदान करता है।

आज का युग कंप्यूटर का युग है। कंप्यूटर ने मानव जीवन को सरल बना दिया है। कंप्यूटर बड़े से बड़े काम को कुछ मिनटों में पूरा कर देता है। कंप्यूटर प्रत्येक वर्ग के जीवन का एक अनिवार्य अंग है। बच्चे हों या युवा, प्रौढ़ हों या बुजुर्ग कंप्यूटर ने सभी वर्गों में अपनी | अनिवार्यता सिद्ध कर दी है। विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर वर्तमान समय में बहु उपयोगी साधन प्रतीत होता है। गणित, अंग्रेजी, विज्ञान, सामान्य ज्ञान आदि विषयों का अध्ययन विद्यार्थियों द्वारा कंप्यूटर के माध्यम से किया जा सकता है। पढ़ाई-लिखाई से लेकर मनोरंजन आदि तक के लिए कंप्यूटर अपनी महता को दर्शाता है। इन सभी के अतिरिक्त विद्यार्थियों द्वारा इसका गलत ढंग से प्रयोग किया जाता है, जिसके कारण वे अपने लक्ष्य से भटक जाते हैं और जीवन को बर्बाद कर लेते हैं। अतः प्रत्येक विद्यार्थी को कंप्यूटर का प्रयोग अपने मित्र की भाँति करना चाहिए, जिससे वे अधिकाधिक लाभ अर्जित कर सकें। कंप्यूटर का गलत ढंग से उपयोग करने से विद्यार्थियों को बहुत-सी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अतः प्रत्येक विद्यार्थी को कंप्यूटर का प्रयोग अच्छी चीजों को ढूंढने, अध्ययन आदि करने हेतु करना चाहिए।

OR

पुस्तकें पढ़ने की आदत

पुस्तकें हमारे जीवन का एक महत्त्वपूर्ण अंश है। पुस्तकों के अध्ययन से हम भिन्न-भिन्न प्रकार के ज्ञान अर्जित करने में सक्षम होते हैं। पुस्तकें विद्यालयी विद्यार्थियों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के लिए एक उपयोगी साधन है। विद्यार्थियों का ज्ञानार्जन पुस्तकों द्वारा संभव होता है, वहीं बुजुर्गों के लिए समय व्यतीत एवं मनोरंजन के साधन रूप में पुस्तकें कार्य करती हैं। वर्तमान दौर में तकनीकों का प्रसार इस हद तक हो चुका है कि आज पुस्तकों का स्थान मोबाइल फोन, लैपटॉप, आईपैड, टैबलेट आदि ने ले लिया है। इनका आकर्षण इतना अधिक हो गया है कि लोगों ने पुस्तकों को पढ़ना बहुत कम कर दिया है। आज पुस्तकें न पढ़ने का कारण विविध प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण हैं। इन उपकरणों के कारण लोग भले ही कुछ ज्ञान अर्जित कर लेते हैं, परंतु समय का जो दुरुपयोग आज का युवा वर्ग कर रहा है उसको भर पाना असंभव प्रतीत होने लगा है। पुस्तक पढ़ने की आदत से हम नित दिन अध्ययनशील रहते हैं। इससे पढ़ने में नियमितता बनी रहती है तथा हम मानसिक रूप से भी स्वस्थ बने रहते हैं। अतः हमें सदैव पुस्तक पढ़ने की आदत बनानी चाहिए।

13. प्रधानाचार्य महोदय,
केनेडी पब्लिक स्कूल
राज नगर, पालम,
नई दिल्ली-110077
1, अप्रैल, 2019
विषय-फुटबॉल मैच खेलने की अनुमति के संबंध में

श्रीमान् जी

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की फुटबॉल टीम का कप्तान हूँ। हम अपने अभ्यास के लिए दिल्ली शिक्षा भारती पब्लिक स्कूल की फुटबॉल टीम से मैच खेलना चाहते हैं। हर वर्ष हमारा इसी स्कूल से फाइनल में मुकाबला होता है। हमारी टीम प्रतियोगिता के लिए तैयार है। कुछ नए खिलाड़ी भी हम टीम में शामिल कर रहे हैं।इससे उन्हें विपक्षी टीम की ताकत का अंदाजा भी हो जाएगा तथा उनकी कमजोरियों का भी पता चल जाएगा। इससे हमारी टीम को लाभ मिलेगा। आप कृपया हमें अनुमति देने के साथ-साथ दिल्ली शिक्षा भारती पब्लिक स्कूल के प्राचार्य को भी मैच देखने के लिए आमंत्रित करें। हम सब आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद

भवदीय

पवन

कप्तान, फुटबॉल टीम।

OR

275-पी कैलाशपुरी

नई दिल्ली।

दिनांक : 30 मार्च, 2019

प्रिय मित्र मोहित,

सप्रेम नमस्कार।

तुम्हारा पत्र मिले काफी दिन हो गए। मन में चिंता हो रही थी तो मैंने तुम्हें पत्र लिखने का निश्चय किया। पहले तुमने दिल्ली में रहने की उत्सुकता दिखाई थी। आज मैं तुम्हें दिल्ली के जीवन में अवगत कराना हूँ।

तुम जानते हो कि दिल्ली भारत की राजधानी है। इसका पुराना इतिहास है। यह नगर इतिहास है। यह नगर अनेक बार उजड़ा और बसा। यहाँ पर भिन्न-भिन्न संस्कृतियों के लोग आए और गए। यहाँ की चौड़ी सड़कें, गगनचुंबी इमारतें, ऐतिहासिक इमारतें आदि एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करती हैं। यहाँ संसार की सब सुविधाएँ उपलब्ध हैं। अनेक शिक्षण संस्थाएँ, नौकरी के लिए हजारों क्षेत्र उपलब्ध हैं। चिकित्सा सुविधाएँ विद्यमान हैं।

महानगरी का दूसरा रूप अत्यंत बुरा है। यहाँ घंटो यातायातजाम रहता है। दूसरे, यहाँ आवास की समस्या है। मकान मिलना तो लॉटरी खुलने के समान है। यहाँ पारस्परिक सद्भाव का अभाव है। सारा जीवन मशीनी ढंग से चलता रहता है। यहाँ निर्धन व्यक्ति के लिए कोई जगह नहीं। आशा है कि तुम महानगरीय जीवन से कुछ परिचित हो गए होगे। शेष जानकारी साक्षात्कार होने पर मिल जाएगी। शेष सब कुशल है।

छोटों को प्यार और बड़ों को प्रणाम कहना।

तुम्हारा मित्र

राहुल

14.

प्रतिभा विकास विद्यालय, मेरठ

सूचना

दिनांक 11 मार्च, 2019

प्रौढ़ साक्षरता शिविर का आयोजन

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय की 'समाज सेवा परिषद्' समिति की ओर से 'साप्ताहिक प्रौढ़ साक्षरता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विद्यार्थियों द्वारा 15 अप्रैल, 219 से 25 अप्रैल, 2019 तक शाम 6-8 बजे तक गाँव में जाकर चौपाल में प्रौढ़ों को अक्षर ज्ञान कराया जाएगा। विद्यार्थियों के आने जाने की व्यवस्था परिषद् की ओर से की जाएगी।

इच्छुक विद्यार्थी शीघ्र अपना पंजीकरण कराएँ जिसकी अंतिम तिथि 30 मार्च, 2019 है।

आशील सिंहल

सचिव, समाज सेवा परिषद्

OR

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

169, चितवन एस्टेट, सेक्टर-गामा, ग्रेटर नोएडा सिटी, गौतम बुद्ध नगर

वेबसाइट: www.greaternoidaauthority.in इमेल: authority@gnida.in

सार्वजनिक सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में ग्रेटर नोएडा विस्तार विस्तार महायोजना- 2013 में कतिपय संशोधन अनुमोदित किए गए हैं। अनुमोदित संशोधनों का संक्षिप्त विवरण वेबसाइट: www.greaternoidaauthority.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त संशोधनों पर यदि कोई आपत्ति/सुझाव हों तो सूचना प्रकाशित की तिथि से 15 दिन के अंदर प्रातः 9.30 बजे से 6.00 बजे तक प्राधिकरण के कस्टमर रिलेशन सेल पर महाप्रबंधक को संबोधित करते हुए लिखित रूप से प्रेषित किया जा सकता है।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी

15. **राहुल -** पिताजी! आपको यह जानकर बहुत गर्व होगा कि मैंने इस वर्ष की परीक्षा में प्रथम स्थान अर्जित किया है।
पिताजी - अरे वाह! ये तो मेरे लिए सचमुच में बड़े ही गर्व की बात है।
राहुल - आप जानते हैं पिताजी, मुझे इस बार दिल्ली के मुख्यमंत्री के हाथों से पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।
पिताजी - हाँ, ये तो मैंने कल के अखबार में पड़ा था।
राहुल - क्यों पढ़ा था, पिताजी?
पिताजी - यही कि बोर्ड परीक्षा में अव्वल दर्जा हासिल किए गए छात्र को माननीय मुख्यमंत्री द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।
राहुल - हमारे विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा आपको एनुअल 'डे' पर आमंत्रित भी किया गया है। आप आएँगे न?
पिताजी - हाँ बेटा! मेरे लिए यह बहुत गर्व की बात है और मैं तुम्हारे विद्यालय में आयोजित एनुअल 'डे' पर अवश्य ही आऊँगा।

OR

यात्री - भाई। बस कितने बजे चलेगी?

चालक - साढ़े पाँच बजे।

यात्री - लेकिन साढ़े पाँच तो हो गए हैं, फिर देरी क्यों?

चालक - बस चलने ही वाली है।

यात्री - आजकल बसों के चलने का कोई समय नहीं है। आपकी इच्छा से चलती है।

चालक - आप बिना वजह ही मुझसे बहस कर रहे हैं। हमारी बसों का समय है और हम उसी के अनुसार चलते हैं।

16.

मनोरम ब्यूटी क्रीम

"खिला-खिला चेहरा झलकता नूर,

ऐसा लगे चली आ रही हूर।"

"""""""दो की खरीदारी पर मनोरम फेस वॉश फ्री"""""""

OR

जल है, तो कल है

विश्व जल दिवस 22 मार्च

“जल है जीवन का अनमोल रतन, इसे बचाने का तुम करो जतन"

जल ही जीवन है

आयोजन स्थलः प्रगति मैदान, हॉल नं.-2 दिल्ली

फोन.नं.- 0114007XX